>

Title: Need to supply foodgrains and Kerosene oil in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति जी, मैं आपका ध्यान उत्तराखंड की वेदना की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं। आजकल देवभूमि उत्तराखंड अतिभौतिक ताप और अतिदैविक ताप से पीड़ित है। पहले तो वहां सूखा पड़ा हुआ था। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि सूखा राहत उत्तराखंड को प्राप्त होनी चाहिए। लेकिन विगत दस दिनों से वहां पर बहुत ज्यादा वर्षा हो रही है और बादल फटने की घटनाएं भी हो चुकी हैं, जिससे वहां पर काफी नुकसान और क्षति हुई है। उत्तर काशी, चमौली और रुद्रप्रयाग जिलों में अब तक 862 सड़कें बह गई हैं। 184 पेयजल योजनाएं क्षतिग्रस्त हो गयी हैं, 105 मकान व होटल जमीनदोज़ हो चुके हैं, 14 मोटरमार्ग व पुल बह गये हैं। गंगोत्री राजमार्ग 500 मीटर पूरा बह गया है, 40 लोग उत्तरकाशी में और दो लोग कर्णप्रयाग के अपर बाजार में बह गये हैं, वहां पर प्रकृति का कहर है। बद्रीनाथ, श्री केदारनाथ, गंगोत्री, जमनोत्री एवं श्री हेमकुंड साहब की यात्रा करने वाले हजारों यात्री रास्ते में फंसे हुए हैं। खाने-पीने की चीजें, छोटे बच्चों के लिए दूध आदि की समस्या पैदा हो गयी है, खाद्यान्न एवं गैस की कमी हो गयी है। मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा कि अभी हमारे प्रधान मंत्री जी ने 150 करोड़ रुपये की राशि दी है और मिलिट्री से आग्रह किया है कि वहां पर जो यात्री फंसे हुए हैं उन्हें वहां से निकाला जाए। मैं सरकार से आपके माध्यम से प्रार्थना करता हूं कि सरकार वहां पर कैरोसीन ऑयल की जो किल्लत हो रही है, बीपीएल और एपीएल खाद्यान्न की जो कमी हो गयी है, उसकी पूर्ति करे और वहां के लोगों का विस्थापन करे।